an>

Title: Need to provide medical facilities and pension to physically and mentally challenged children in the country.

श्रीमती पी.के.श्रीमथि टीचर (कन्नूर): महोदया, मैं इस हाऊस में आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विÂाय पेश करना चाहती हूँ। हमारे देश में जन्म से ही शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की संख्या लाखों में है। ये ज्यादातर जेनेटिक फैक्टर के कारण से होता है जैसे कि Autism, Cerebral Palsy, Down Syndrome, hemophilic etc. इन बच्चों की देखभाल करना गरीब परिवारवालों के लिए बहुत ही कठिन होता है। इन्हें समझना एवं ध्यान रखने के लिए किसी न किसी को उनके साथ हमेशा रहना जरूरी होता है। शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चों का जीवन चुनौतीपूर्ण है, उन्हें प्यार व सहयोग की सदा आवश्यकता होती है अन्यथा उनके किसी दुर्घटना के शिकार होने की संभावना अधिक है और वे पूरी जिंदगी बिस्तर पर जकड़े रहते हैं। इन परिस्थितियों के कारण इनके परिवारवाले दूसरे काम में ध्यान नहीं दे सकते और उन्हें अपनी नौकरी गंवानी पड़ती है। आय की हानि के कारण इन गरीब परिवारवालों का जीवन बहुत दुखी रहता है।

इसलिए हमारी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि ऐसे शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चों तथा उनके परिवार वालों को इलाज की सुविधा एवं पेंशन दी जाए especially for the poor whether they are APL or BPL

HON. SPEAKER:

Shri P.K. Biju,

Adv. Joice Goerge,

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Dr. Virendra Kumar are permitted to associate with the issue raised by Shrimati P.K. Shreemathi Teacher.